न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी : श्री सत्यनारायण आरएएस

प्रकरण सं0 : 16/2020

1. नरेश कुमार पुत्र नेहरूलाल जाति जाट निवासी चक 1केएनएन फेफाना त0 नोहर जिला हनुमानगढ।

:— वादी

बनाम

1 नेहरूलाल पुत्र रूपाराम जाति जाट निवासी चक 1केएनएन फेफाना त0 नोहर जिला हनुमानगढ।

2 राजबाला पुत्री नेहरूलाल जाति जाट निवासी चक 1केएनएन फेफाना त0 नोहर जिला हनुमानगढ।

3 कृष्णा पुत्री नेहरूलाल जाति जाट निवासी चक 1केएनएन फेफाना त0 नोहर जिला हनुमानगढ।

:— प्रतिवादीगण

दावा बाबत : घोषणात्मक एवं रिकार्ड दुरूस्ती
अन्तर्गत धारा 88 राज0काश्त0अधि0 1955

उपस्थिति : वकील श्री मुंशीराम गोस्वामी : वादी
वकील श्री सुरजीत विजारणियां : प्रतिवादीगण

निर्णय दिनांक : 22-02-2021

संक्षेप में वाद के तथ्य इस प्रकार है कि घेऊ के खाता सं0 162/152 के खसरा सं0 681 की 3.655है0, खसरा सं0 731 की 10.383है0 कुल 14.038है0 बारानी खातेदारी में प्रतिवादी सं0 1 नेहरूलाल के नाम से 2.713है0 खातेदारी दर्ज है। उक्त भूमि को प्रतिवादी सं0 1 नेहरूलाल ने कर्ता खानदान होने के चलते तन्हा अपने नाम विरासतन दर्ज करवा ली।

वादी एंव प्रतिवादगण हिन्दू है तथा हिन्दू विधि से शासित होते है। वादभूमि वादी की पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्म से हक एवं अधिकार निहित है। वादी अपनी बंटवारा की भूमि को समतल, उपजाउ बनाकर सुधार करना चाहते है जिसके लिए उन्हे केसीसी, ऋण आदि की आवश्यकता रहती है इसलिए वादी ने प्रतिवादीगण को उक्त वाद भूमि को अपने हक हिस्सा अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाने के लिए कहा तो वे ऐसा करने से साफ इन्कार हो गये लिहाजा यही वनाए मुखास्मत है।

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामील होने के उपरान्त वादी एवं प्रतिवादी सं 1 ता 3 द्वारा आपसी सहमती से राजीनामा पेश किया गया। प्रतिवादीगण गण द्वारा राजीनामा पेश किये जाने पर तनकी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः पत्रावली में साक्ष्य करवाया गया।

Signature Not Verified
Digitally signed by Satya Narayan
Date: 2021.03.19 11:33:45 IST
Reason: SelfAttested

सहायक कलक्टर
(फास्ट ट्रेक)भादरा

साक्ष्य वादी में पीडब्ल्यु नरेश कुमार पुत्र नेहरूलाल जाति जाट निवासी चक 1केएनएन फेफाना के बयान करवाये गये। दस्तावेजी साक्ष्य में सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी रोही घेऊ के खाता सं0 162/152 प्रदर्श 1, जमाबंदी रोही घेऊ संवत

Scanned with CamScanner

2038-41 प्रदर्श 2, जमाबंदी रोही मोजा 5ए बारानी फेफाना प्रदर्श 3, जमाबंदी रोही चक 1 केकेएन प्रदर्श 4, जमाबंदी चक 5 केकेएन प्रदर्श 5, वारिस प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत फेफाना प्रदर्श 6 प्रदर्शित करवाये।

बहस उभयपक्ष सुनी गई। दौराने बहस वकील वादी ने वाद के तथ्यों को दौहराते हुए कथन किया कि वाद भूमि वादी की पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्म से हक हिस्सा है। उक्त वाद भूमि प्रतिवादी सं 1 के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज होने पर वादी के हकों पर विपरित असर पड़ता है। इस प्रकार मुताबिक राजीनामा व वाद में वर्णित भूमि पैतृक सम्पति साबित होने पर वाद वादीगण डिक्री किये जाने हेतु निवेदन किया।

हमारे द्वारा विद्वान अभिभाषक की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली पर प्रस्तुत दस्तावेज का ध्यान पूर्वक अवलोकन किया गया। हस्तगत प्रकरण में वादीगण ने घेऊ के राजस्व रिकार्ड में अपने पिता के नाम दर्ज भूमि में अपने हकों की घोषणा करवाने हेतु वाद पेश किया है। वादी ने दावा की पुष्टि में जो सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी व वारिस प्रमाण पत्र मय शपथ पत्र प्रदर्श 6 प्रदर्शित करवाये। प्रदर्श 6 में वारिसप्रमाण पत्र में नेहरूलाल के एक पुत्र नरेश कुमार व दो पुत्री बालादेवी व कृष्णा के अलावा अन्य कोई वारिस होना नही बताया गया है। वाद भूमि रोही घेऊ के खाता सं0 162/152 के खसरा सं0 681 की 3.655है0, खसरा सं0 731 की 10.383है0 कुल 14.038है0 बारानी खातेदारी में प्रतिवादी सं0 1 नेहरूलाल के नाम से 2.713है0 खातेदारी दर्ज है। में से प्रतिवादी सं0 1 नेहरूलाल का नाम कलमजन किया जाकर वादी को खातेदार घोषित किये जावें। चूकिं प्रतिवादी सं 1 ता 3 ने अपना हक हिस्सा वादी के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है। इस प्रकार वाद वादीगण मुताबिक राजीनामा व पैतृक सम्पति के आधार पर काबिल स्वीकार होने पर स्वीकृत किया जाता है। ।

क्रियात्मक आदेश

अत : वाद वादी साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही घेऊ के खाता सं0 162/152 के खसरा सं0 681 की 3.655है0, खसरा सं0 731 की 10.383है0 कुल 14.038है0 बारानी खातेदारी में प्रतिवादी सं0 1 नेहरूलाल के नाम से 2.713है0 खातेदारी दर्ज है। में से प्रतिवादी सं0 1 नेहरूलाल का नाम कलमजन किया जाकर वादी को खातेदार घोषित किया जाता है। चुंकि प्रतिवादी स0 1 ता 3 ने अपना हक हिस्सा वादी के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन विभाग को देय पंजीयन शुल्क व स्टाम्प डयूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार वादी नरेश कुमार को राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर रिकार्ड दुरूस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे। पर्चा डिक्री जारी हो।

निर्णय आज दिनांक 22-2-2021 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(सत्यनारायण)
सहायक कलक्टर R.A.S.
सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रैक)
भादरा, जिला हनुमानगढ

Signature Not Verified

Digitally signed by Satya Narayan
Date: 2021.03.19 11:33:45 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner

पर्चा डिक्री

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी : श्री सत्यनारायण आरएएस

प्रकरण सं0 : 16/2020

1. नरेश कुमार पुत्र नेहरूलाल जाति जाट निवासी चक 1केएनएन फेफाना त0 नोहर जिला हनुमानगढ।

:— वादी

ब ना म

2. नेहरूलाल पुत्र रूधाराम जाति जाट निवासी चक 1केएनएन फेफाना त0 नोहर जिला हनुमानगढ।
3. राजबाला पुत्री नेहरूलाल जाति जाट निवासी चक 1केएनएन फेफाना त0 नोहर जिला हनुमानगढ।
4. कृष्णा पुत्री नेहरूलाल जाति जाट निवासी चक 1केएनएन फेफाना त0 नोहर जिला हनुमानगढ।

:— प्रतिवादीगण

आज यह वाद मुझ सत्यनारायण सहायक कलक्टर फास्ट—ट्रैक भादरा के समक्ष वकील वादी श्री मुंशीराम गोस्वामी एवं वकील प्रतिवादीगण श्री सुरजीत बिजारणियां की उपस्थिति में निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर एवं वाद वादी साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही घेऊ के खाता सं0 162/152 के खसरा सं0 681 की 3.655है0, खसरा सं0 731 की 10.383है0 कुल 14.038है0 बारानी खातेदारी में प्रतिवादी सं0 1 नेहरूलाल के नाम से 2.713है0 खातेदारी दर्ज है। में से प्रतिवादी सं0 1 नेहरूलाल का नाम कलमजन किया जाकर वादी को खातेदार घोषित किया जाता है। चुंकि प्रतिवादी स0 1 ता 3 ने अपना हक हिस्सा वादी के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन विभाग को देय पंजीयन शुल्क व स्टाम्प डयूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार वादी नरेश कुमार को राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर रिकार्ड दुरूस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक 22-2-2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।

सहायक (सत्यनारायण)
(फास्ट ट्रैक) भादरा R.A.S.
सहायक कलक्टर (फास्ट—ट्रैक)
भादरा, जिला हनुमानगढ़

Signature Not Verified

Digitally signed by Satya Narayan
Date: 2021.03.19 11:33:45 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner